Waqt Ki Balihari Paanch Pati Baladhari Bhajan Lyrics in Hindi English

Vakt Ki Balihari Bhajan Lyrics in Hindi

वक्त की बलिहारी,
पांच पति बलधारी।

दोहा – बहना नग्न तेरी हो रही,
टेर सुनो यदुनंदन,
रिश्ता भूले क्या भाई का,
और वो रक्षा बंधन,
फिर भी आए नहीं कन्हैया,
तब है मन में डोली,
लाज बचा ले आज बहन की,
मनमोहन से बोली।

वक्त की बलिहारी,
पांच पति बलधारी,
बनी अबला नारी,
आओ श्याम आओ श्याम,
आओ श्याम आओ श्याम,
अनीति छाई है,
निति बिसराई है,
बहन घबराई है,
आओ श्याम आओ श्याम,
आओ श्याम आओ श्याम।।

पांच पति बलवान हमारे,
पांच पति बलवान हमारे,
जिनके ऊपर गर्व हमें,
आज वही जुआ में हारे,
मुसीबत है भारी,
हुई सब विधि खाली,
दुष्ट खींचे साड़ी,
आओ श्याम आओ श्याम,
आओ श्याम आओ श्याम।।

लाज लुटी गर श्याम हमारी,
लाज लुटी गर श्याम हमारी,
कैसे कहोगे दुनिया से,
द्रोपती थी बहन हमारी,
आज जो मैं हारी,
तो सुन ले बनवारी,
हंसेगे नर नारी,
आओ श्याम आओ श्याम,
आओ श्याम आओ श्याम।।

याद करो कुछ मदन मुरारी,
याद करो कुछ मदन मुरारी,
चिर फाड़ के बाँधा श्याम जब,
उंगली कटी तुम्हारी,
फ़र्ज निभा जाओ,
कर्ज चूका जाओ,
लाज बचा जाओ,
आओ श्याम आओ श्याम,
आओ श्याम आओ श्याम।।

जगत करेगा मेरी हांसी,
जगत करेगा मेरी हांसी,
कौन तुझे भगवान कहेगा,
कहे किशन ब्रजवासी,
लाज मेरा गहना,
सुनो मेरा कहना,
टेर रही बहना,
आओ श्याम आओ श्याम,
आओ श्याम आओ श्याम।।

वक्त की बलिहारी,
पांच पति बलधारी,
बनी अबला नारी,
आओ श्याम आओ श्याम,
आओ श्याम आओ श्याम,
अनीति छाई है,
निति बिसराई है,
बहन घबराई है,
आओ श्याम आओ श्याम,
आओ श्याम आओ श्याम।।

Vakt Ki Balihari Bhajan Lyrics in English

Vakt ki balihari,
Paanch pati baldhari.

Doha – Bahna nagan teri ho rahi,
Ter suno Yadunandan,
Rishta bhule kya bhai ka,
Aur wo raksha bandhan,
Phir bhi aaye nahi Kanhiya,
Tab hai mann mein doli,
Laaj bacha le aaj behan ki,
Manmohan se boli.

Vakt ki balihari,
Paanch pati baldhari,
Bani abla naari,
Aao Shyam aao Shyam,
Aao Shyam aao Shyam,
Aniti chhayi hai,

Niti bisraayi hai,
Behan ghabraayi hai,
Aao Shyam aao Shyam,
Aao Shyam aao Shyam.

Paanch pati balwan humare,
Paanch pati balwan humare,
Jinke upar garv humein,
Aaj wahi jua mein haare,
Musibat hai bhaari,
Hui sab vidhi khaali,
Dusht kheeche saadi,
Aao Shyam aao Shyam,
Aao Shyam aao Shyam.

Laaj luti gar Shyam hamari,
Laaj luti gar Shyam hamari,
Kaise kahoge duniya se,
Draupadi thi behan hamari,
Aaj jo main haari,
To sun le Banwari,
Hansege nar naari,
Aao Shyam aao Shyam,
Aao Shyam aao Shyam.

Yaad karo kuch Madan Murari,
Yaad karo kuch Madan Murari,
Chir faad ke baandha Shyam jab,
Ungli kati tumhaari,
Farz nibha jao,
Karz chuka jao,
Laaj bacha jao,
Aao Shyam aao Shyam,
Aao Shyam aao Shyam.

Jagat karega meri haansi,
Jagat karega meri haansi,
Kaun tujhe Bhagwan kahega,
Kahe Kishan Brajwasi,
Laaj mera gehna,
Suno mera kehna,
Ter rahi behna,
Aao Shyam aao Shyam,
Aao Shyam aao Shyam.

Vakt ki balihari,
Paanch pati baldhari,
Bani abla naari,
Aao Shyam aao Shyam,
Aao Shyam aao Shyam,
Aniti chhayi hai,

Niti bisraayi hai,
Behan ghabraayi hai,
Aao Shyam aao Shyam,
Aao Shyam aao Shyam.

About “Vakt Ki Balihari” Bhajan in English:

“Vakt Ki Balihari” is a heartfelt bhajan that depicts the plea of a devotee, a sister, who calls upon Lord Shyam (Lord Krishna) for protection and support. The song is rooted in the theme of righteousness and justice, expressing how the sister, despite her trials, finds solace and strength in Lord Shyam’s grace. The bhajan compares the difficulties she faces to the struggles of Draupadi, who was humiliated in the court of Kauravas, calling for Lord Krishna’s intervention and guidance.

The bhajan emphasizes the power of Lord Krishna’s protection, symbolized by the story of Draupadi’s rescue, and expresses the belief that Krishna, the ultimate protector, will never abandon His devotees. The lyrics also point to the challenges and injustices the devotee faces, but by calling upon Shyam, she is assured of justice and dignity being restored.

The repeated call for “Aao Shyam” (Come, Shyam) highlights the devotee’s complete faith in Lord Krishna and her belief that only through His grace will her life find peace, righteousness, and protection.

About “Vakt Ki Balihari” Bhajan in Hindi:

“वक्त की बलिहारी” एक भक्ति भजन है जिसमें एक बहन भगवान श्याम से अपनी रक्षा और सहायता की प्रार्थना करती है। भजन में यह दिखाया गया है कि भक्त, विशेषकर एक बहन, जो विभिन्न कठिनाइयों का सामना कर रही है, अपने जीवन में भगवान श्याम की कृपा और समर्थन के लिए प्रार्थना करती है। भजन में द्रौपदी के संघर्ष और भगवान श्री कृष्ण के द्वारा उनकी रक्षा की कहानी को संदर्भित किया गया है, और यह बताया गया है कि भगवान श्याम ही वह शरण हैं जो भक्तों को हर प्रकार की मुसीबत से उबारते हैं।

भजन में यह भी दिखाया गया है कि भक्त जीवन में आने वाली मुश्किलों और अन्यायों के बावजूद भगवान श्याम की कृपा से राहत और सम्मान पा सकते हैं। भजन में बार-बार “आओ श्याम” के शब्दों के माध्यम से भक्त भगवान श्याम से अपनी रक्षा और आशीर्वाद की प्रार्थना करती है।

यह भजन भगवान श्याम की महानता और उनकी अनंत कृपा को व्यक्त करता है, और यह विश्वास दिलाता है कि भगवान के नाम और आशीर्वाद से ही भक्तों को हर प्रकार की शांति और सुरक्षा मिलती है।